

XLRI IN NEWS

FEBRUARY 2017

PUBLICATION: Business Standard
DATE: 28 February 2017
EDITION: Kolkata
PAGE: 5

A longer-than-usual wait for jobs at business schools

WHY DELAY? Demoralisation, possible rise in HR vis-a-vis are likely reasons for fewer job offers at business schools this year.

A slump in information technology (IT) and e-commerce sectors as well as sluggish economic sentiment has led to a protracted placement season in management institutes this year.

The placement process, according to some business schools, could be extended by 15 to 20 days. Not all students of these institutes have been placed yet. So, the institutes are reaching out to more recruiters as well as different sectors.

"We have a few days to go. With the IT crackdown on 100 visas and demoralisation, things have been a bit delayed. We are trying to find alternatives as the placement process has been longer this year," said Smita Mahapatra, faculty coordinator - placements at Xavier Institute of Management, Bhubaneswar (XIMB).

In a batch of 300 students, XIMB is yet to place at least 20. At Indian Institute of Management, Indore (IIM-I), out of the 400 students in its flagship postgraduate programme have been placed yet. The number of offers per recruitee is also down.

"The placement process began in January and we are still wiggling it up. While the IT sector has been good, e-commerce has not been recruiting many. The number of recruiters has gone up but recruitment has been slightly on the lower side this year. We do have a few more recruiters to go," said a placement committee member at IIM-I, adding the institute was not particular about the duration of the placement process.

IIM-I has also seen number of recruiters rise by at least 15 per cent over last year, with 150 firms confirming participation, the member added.

In schools, the number of offers per recruitee is down 30-50 per cent. At XIMB,

has had some presence such as IIM-I, among others." According to the placement chairperson of a Mumbai-based management institute, uncertainties over jobable rise in prices of HR vis-a-vis coupled with demoralisation, has meant the placement process has been longer than anticipated. "Last year the process was completed by the time. The scenario is sluggish this year," said the chairperson of the institute.

IIM-I (Kolkata), too, is yet to place some of its students. It began the placement process on November 30, 2016, for a batch of 144. The institute had hoped to wrap up placements early. According to sources at IIM-I, some recruiters have also cancelled job offers.

PLACEMENTS 2017	Xavier Institute of Management, Bhubaneswar	IIM, Indore	IIM, Udaipur
No. of students	300	450	100
No. of recruiters yet to be placed	100	150	30
	20	30	10

placement, the final process, which began in the first week of February, is "almost complete".

said Rajiv Mishra, chairperson - placement at the institute. He added, "We are yet to place a few students. The process has been more or less the same as last year with no significant change. However, e-commerce companies are less this year though the IT sector

place a few students. The process has been more or less the same as last year with no significant change. However, e-commerce companies are less this year though the IT sector

place a few students. The process has been more or less the same as last year with no significant change. However, e-commerce companies are less this year though the IT sector

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 7 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई- वॉर्ल्ड प्रोफेशनल्स के कोर्स के लिए आवेदन तबे अंतिम तिथि 14 मार्च

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई जमशेदपुर ने विज्ञान और काम करने वाली के लिए पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट प्रोग्राम में दाखला के लिए आवेदन पर अंतिम तिथि 14 मार्च है। तबे तबे फॉर्म टाइम वॉर्ल्ड प्रोफेशनल्स को एआईसीटीईए भी मान्यता मिली है। नौ सौ छठे से ज्यादा क्लासिक भी मान्यता मिली है। नौ सौ छठे से ज्यादा क्लासिक इंटरनल के इस कोर्स को इंटरनेट की मांग के अनुरूप बनाया गया है। संस्थान के निदेशक फादर ई अनाहम ने बताया कि यह कोर्स वर्ल्ड प्रोफेशनल्स के लिए क्वालिटी मैनेजमेंट प्रोग्राम उपलब्ध कराता है। इसमें दाखला के लिए लिखित परीक्षा 9 अप्रैल को होगी।

PUBLICATION: Business Standard, Hindi
DATE: 28 February 2017
EDITION: Kolkata
PAGE: 1

आईटी नरम, नई नौकरियां कम

विनय उमरजी
 अहमदाबाद, 27 फरवरी

...करना होगा इंतजार

सूचना प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स क्षेत्रों में आई सुस्ती के अलावा नोटबंदी से उपजी प्रतिकूल कारोबारी धारणाओं के चलते इस साल प्रबंधन की शिक्षा से रहे युवाओं का नौकरों का इंतजार थोड़ा लंबा खिंच सकता है। प्रबंध संस्थानों का मानना है कि इस साल प्लेसमेंट प्रक्रिया पूरी होने में दो-तीन हफ्ते का विलंब हो सकता है।

विज्ञान स्टैंडर्ड ने प्लेसमेंट प्रक्रिया के संबंध में जब देश के कुछ प्रमुख संस्थानों से बात की तो यही पता चला कि अभी तक उनके सभी छात्रों को नौकरों के ऑफर नहीं मिल पाए हैं। इसको वजह से प्लेसमेंट प्रक्रिया पूरी होने में सामान्य दिनों की अपेक्षा 15-20 दिन और लग सकते हैं।

भुवनेश्वर के जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में कुल 360 छात्र पढ़ रहे हैं जिनमें अब भी 20 से अधिक

- प्रबंध संस्थानों के 5-10 फीसदी छात्रों को नौकरों का इंतजार
- नौकरियों की पेशकश में 8-10 फीसदी की कमी दिखाई
- आईटी, ई-कॉमर्स क्षेत्र में सुस्ती का असर



नौकरियों की पेशकश नहीं देखने को मिली है। देश के अन्य प्रबंध संस्थानों का भी यही मानना है कि इस साल कंपनियों की तरफ से नौकरियों की पेशकश में 10 फीसदी से लेकर 20 फीसदी तक की गिरावट आई है। एक्सएलआरआई के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में प्लेसमेंट प्रमुख यजीव मिश्रा कहते हैं कि पिछले साल की तुलना में इस बार आई-कॉमर्स कंपनियों की मौजूदगी में कमी आई है जबकि आईटी कंपनियों की संख्या भी घटी है।

आईआईएम उदयपुर ने तो अपने 144 छात्रों के बीच के लिए प्लेसमेंट की प्रक्रिया 30 नवंबर को ही शुरू कर दी थी लेकिन अभी तक वह पूरा नहीं हो पाया है। स्कूल ने बताया कि कुछ कंपनियों ने अर्थव्यवस्था को हालत को देखते हुए अंतिम समय में प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार कर दिया। हालांकि पिछले साल की 39 कंपनियों की तुलना में इस बार 45 कंपनियां इसमें शामिल हुई हैं।

छात्रों का प्लेसमेंट नहीं हो पाया है। संस्थान में प्लेसमेंट प्रक्रिया को संयोजक सविता मोहंती कहती हैं, 'अमेरिका में एच1बी वीजा पर पाबंदियां लगाने और भारत में नोटबंदी की वजह से राजगार परित्यक्त थोड़ा धुंधला हुआ है। हम अपने प्लेसमेंट लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुछ विकल्पों को आजमा रहे हैं।' भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम)

इंदौर में भी प्लेसमेंट का काम अभी पूरा नहीं हो पाया है। एक और खास बात यह है कि पिछले साल की तुलना में इस बार कंपनियों की तरफ से को जाने वाली नौकरियों की पेशकश में गिरावट आई है। संस्थान की प्लेसमेंट कमेटी के एक सदस्य ने कहा, 'प्लेसमेंट के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या तो बढ़ी है लेकिन इस बार उनकी तरफ से अधिक

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 11 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई के तीन दिवसी एकेडमिक, कल्चरल और स्पोर्ट्स फेस्ट एक्सलरेट-17 का आगाज बेहतर प्रबंधन और लीडरशिप के साथ दिखेंगे ग्लैमर के रंग

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई जमशेदपुर ने विज्ञान और काम करने वाली के लिए पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट प्रोग्राम में दाखला के लिए आवेदन पर अंतिम तिथि 14 मार्च है। तबे तबे फॉर्म टाइम वॉर्ल्ड प्रोफेशनल्स को एआईसीटीईए भी मान्यता मिली है। नौ सौ छठे से ज्यादा क्लासिक भी मान्यता मिली है। नौ सौ छठे से ज्यादा क्लासिक इंटरनल के इस कोर्स को इंटरनेट की मांग के अनुरूप बनाया गया है। संस्थान के निदेशक फादर ई अनाहम ने बताया कि यह कोर्स वर्ल्ड प्रोफेशनल्स के लिए क्वालिटी मैनेजमेंट प्रोग्राम उपलब्ध कराता है। इसमें दाखला के लिए लिखित परीक्षा 9 अप्रैल को होगी।



जमशेदपुर। एक्सएलआरआई जमशेदपुर ने विज्ञान और काम करने वाली के लिए पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट प्रोग्राम में दाखला के लिए आवेदन पर अंतिम तिथि 14 मार्च है। तबे तबे फॉर्म टाइम वॉर्ल्ड प्रोफेशनल्स को एआईसीटीईए भी मान्यता मिली है। नौ सौ छठे से ज्यादा क्लासिक भी मान्यता मिली है। नौ सौ छठे से ज्यादा क्लासिक इंटरनल के इस कोर्स को इंटरनेट की मांग के अनुरूप बनाया गया है। संस्थान के निदेशक फादर ई अनाहम ने बताया कि यह कोर्स वर्ल्ड प्रोफेशनल्स के लिए क्वालिटी मैनेजमेंट प्रोग्राम उपलब्ध कराता है। इसमें दाखला के लिए लिखित परीक्षा 9 अप्रैल को होगी।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 12 February 2017
EDITION: Jamshedpur
AGE: 2

हर कोई गला काटने को तैयार है, मैंने तो कभी किसी का गला नहीं काटा- आशीष विद्यार्थी

एक्सएलआरआई में चल रहे एकेडेमिक-कल्चरल फेस्ट एक्सलरेट-17 के तहत लीडरशिप टॉक का आयोजन

संभव प्रसाद - जामशेपुर
लोकप्रिय, हेतुबोधित और विषय में जीवन...



सतर ज़िंदगी को बौद्धिक बना रखा है
विद्यार्थी ने कहा कि उन्होंने अपने बचपन में ही...

खुद पर हंसना सीखें
आशीष विद्यार्थी ने कहा कि अगर किसी से...

आपके अंदर हीरा है
विद्यार्थी ने कहा कि उनका अंदर हीरा है...

सोने-चांदी से मूल्यवान है
आशीष विद्यार्थी ने कहा कि उनका सोने-चांदी...

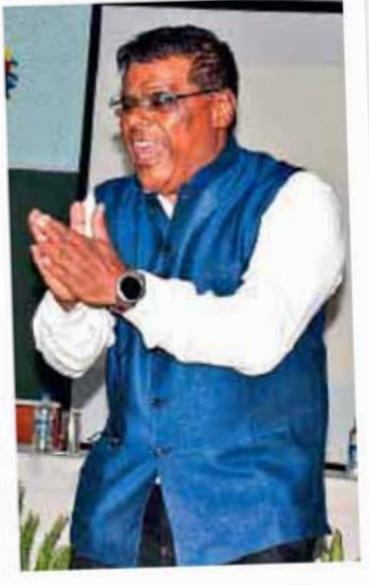
थिंक टैंक दिया जोर
आशीष विद्यार्थी ने कहा कि थिंक टैंक दिया जोर...

सामूहिक सहयोग जरूरी
आशीष विद्यार्थी ने कहा कि सामूहिक सहयोग...

जमशेपुर | फिल्म अभिनेता आशीष विद्यार्थी
खुद को हंसना सीखें। उन्होंने एक्सएलआरआई के
एकेडेमिक-कल्चरल फेस्ट में हिस्सा लिया और खुद
रहने के लिए छात्रों को संवेदनशील बनने के गुरु
बताए।
-संवाद डीवी स्टार पेज 2 पर

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 12 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

फिल्म अभिनेता विद्यार्थी ने छात्रों को सिखाए संवेदनशीलता के गुरु



जमशेपुर | फिल्म अभिनेता आशीष विद्यार्थी
खुद को हंसना सीखें। उन्होंने एक्सएलआरआई के
एकेडेमिक-कल्चरल फेस्ट में हिस्सा लिया और खुद
रहने के लिए छात्रों को संवेदनशील बनने के गुरु
बताए।
-संवाद डीवी स्टार पेज 2 पर

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 13 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआई में टेडेक्स आईडिया समिट में छह हस्तियों से रूबरू हुए एक्सलर्स तकनीक ने परंपरागत पत्रकारिता को बदला लेकिन हम चर्चा के लिए तैयार नहीं- राहुल



इंटरनेट के हाई स्पीड डाटा ने रीडिंग हैबिट को तेजी से बदला है
एक्सएलआरआई में आयोजित एकेडेमिक-कल्चरल फेस्ट एक्सलरेट-17 में...

PUBLICATION: Dainik Jagran, Youth Junction
DATE: 7 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

पीजीडीएम की नामांकन प्रक्रिया शुरू

जमशेपुर, जमशेपुर : 9000 से अधिक नामांकन प्रक्रिया शुरू
एक्सएलआरआई में आयोजित एकेडेमिक-कल्चरल फेस्ट...

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 11 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 18

लीडरशिप सिखाएंगे आशीष विद्यार्थी

का आगाज, तीन दिनों तक रहेगी कल्चरल-स्पोर्ट्स फेस्टिवल की धूम

एक्सलैरेट-17

आशीष विद्यार्थी, जमशेदपुर : एक्सलैरेट-17 का शुभारंभ श्री जगत मुकुंद जी के नेतृत्व में आशीष विद्यार्थी के आगाज के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आशीष विद्यार्थी के आगाज के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आशीष विद्यार्थी के आगाज के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।



PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 13 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

पांचवीं फेल ने एक्सलर्स को पढ़ाई मैनेजमेंट की विधा

रिवाॅल्यूशन बैंड ने मचाई धूम, झूमा एक्सएलआरआई

आशीष विद्यार्थी, जमशेदपुर : एक्सलैरेट-2015 का शुभारंभ श्री जगत मुकुंद जी के नेतृत्व में आशीष विद्यार्थी के आगाज के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आशीष विद्यार्थी के आगाज के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।



अपने तह पर ठर फोकस
एक्सलैरेट में आशीष विद्यार्थी के आगाज के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आशीष विद्यार्थी के आगाज के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जो सब समझ सके, उसी से कायम करें संवाद : दिव्य
एक्सलैरेट में आशीष विद्यार्थी के आगाज के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आशीष विद्यार्थी के आगाज के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।



PUBLICATION: Deccan Herald
DATE: 9 February 2017
EDITION: Bangalore
PAGE: 15

Executive development

Xavier Labour Relations Institute (XLRI) has collaborated with Hughes Global Education India Ltd (HGEIL) to launch 'Direct to Desktop' (D2D) executive development programmes for working professionals and those who are self-employed. The last date to apply is February 27. For more details, visit www.hugheseducation.com/xlri-jamshedpur/edpsm.

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 2 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

वित्तीय घाटा और कम होता तो रेटिंग बढ़ती

वित्तीय घाटा बढ़ने से रेटिंग घटती है, जो कंपनी के कर्ज को बढ़ावा देता है। इसलिए, कंपनी को वित्तीय घाटा कम करना चाहिए।

डॉ. प्रकाश सेन, शिक्षक, एक्सलैरेट-2015

वित्तीय घाटा बढ़ने से रेटिंग घटती है, जो कंपनी के कर्ज को बढ़ावा देता है। इसलिए, कंपनी को वित्तीय घाटा कम करना चाहिए।

PUBLICATION: Hindustan Times ,HT Education
DATE: 8 February 2017
EDITION: Delhi
PAGE: 4

XLRI launches programmes for professionals

HT Education Correspondent
HindustanTimes.com

XLRI, Jamshedpur, has collaborated with Hughes Global Education India Ltd. (HGEIL) to launch Direct to Desktop (DD) Executive Development Programmes for working professionals and self-employed. Admissions have started for the executive development programme in strategic management (EDPSM). The short duration e-MDP course intends to explicate the role of industry analysis, innovation focus and resource based thinking in strategising for growth. Many leaders and managers implicitly use the resource based logic in making strategic decisions. The last date of application for the course is February 27, 2017. The fees of the programme amounts to ₹77,000 plus taxes, payable in two installments. The registration details are available at: For EDPSM: http://www.hughsglobal.com/xlri-jamshedpur/edpsm. Prof Ram Kumar Kakani, associate dean (VH), XLRI said, "The virtual interactive learning programmes have been designed for working

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 1 February 2017
EDITION: New Delhi
PAGE: 21

'Save autonomy, legal identity of PGDM institutions'

Shakti Khatwani

The Indian Institutes of Management (IIMs) Bill 2017 was approved by the Union Cabinet last week. The IIMs will now be declared as Institutes of National Importance and will be able to grant degrees to their students.

However, the private B-schools, including postgraduate diplomas in management (PGDM) institutions, will be affected too. According to Prof Hartwood-Chaturvedi, alternate president, Education Promoters Society of India, an organisation who has been fighting for the autonomy of these B-schools regarding the passing of the Bill is going to create a big assembly by demanding an equalisation between IIMs and over 500 self-financed PGDM institutions which have been functioning for more than 35 years.

"In the existing private B-schools were allowed to be set up by the ministry of Human Resource Development after it was thought that the three IIMs (Ahmedabad, Bangalore and Calcutta) will not be able to fulfil the needs of the Indian industry. PGDM institutions like XLRI, SP Jain Institute of Management and Research, and International Management Institute, were allowed by the MHRD to be run under the aegis of the All India Council for Technical Education (AICTE) as autonomous business schools," he says.

It is imperative that the MHRD looks into the matter of autonomy of these PGDM institutions as, after the passage of the IIM Bill, the members and foreign investors will have doubts about the legal identity of a postgraduate diploma in management, says Prof Chaturvedi. In 2016, the AICTE had awarded autonomy of over 500 PGDM institutions but the Supreme Court did not allow it to happen by issuing interim orders in the last six years.

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 1 February 2017
EDITION: Mumbai
PAGE: 13

Against the tide

GENDER DISPARITY The Indian Institutes of Management are aiming to have women make up at least 33% of the student population. The highest they've achieved is 30%, and even that is very rare. The key, they say, is the CAT exam

Leela Mohanlal
www.hindustantimes.com

In its 2016 post graduate batch, 21.2% of students at IIM Ahmedabad were women.

At IIM Rohtak, that number was 27%.

At IIM Calcutta, there were only 7% women students in a batch of 402.

W hen Kshama Shetye 21, arrived at IIM Rohtak for the graduation ceremony last year, she felt disappointed. "I was the only girl in a group of 30," she says. "The moderators were all men."

Shetye is currently in the second year of her post graduate diploma in management and she says, "I was the only girl in a group of 30," she says. "The moderators were all men."

Through Indian Institutes of Management (IIM) have been trying for years to have more women in their classrooms, but India's B-schools remain a place of stark gender disparity. In its 2014 batch, women accounted for only 22.1% of the student population of IIM Bangalore; in the 2013 batch, that figure was 21% at IIM Calcutta.

The aim, says Janet Shah, director of IIM Calcutta, is for at least a third of the students to be women. This has never happened, even in a single batch.

"Our men we get close to 50% but that is rare," Shah says. At the Institute of Management (IIM) in Rohtak, however, it is 27% of the students are women.

"Our fellow programmes in management have more girls than boys and other courses have close to 30% girls, because our entrance exam, XAT, has been favouring a multidimensional testing framework that gives equal weightage to aptitude and language skills," says Kshama.

That difference between the CAT and CAT takes IIM professors and former faculty say.

In the CAT 2016 results, IIMs achieved last week, 30 candidates scored a 100 percentage. All were boys and all were engineers. "That's 6% of the total candidates," says Rajendra Khande, co-founder of CAT 2016.

WRINGING BACKWARDS The trouble, says P Ramaswami, former director of IIM Rohtak and professor of IIM Rohtak, begins with the low representation of women at the Common Entrance Test stage.

The primary reason for girls not taking the CAT is the exam pattern, says Shah. "The pattern favours engineers and there are fewer girls in engineering, so consequently fewer women take the CAT and even those who do are not doing well."

Another social factor that results in fewer women in IIMs is that the number of women pursuing higher education is still very low. Human Resource Development Society of India, an organisation that works with engineering colleges, says that only 10% of engineering colleges have more women pursuing higher studies today.



The CAT exam pattern favours engineers and there are fewer girls in engineering, so consequently fewer women take the CAT and even fewer end up joining B-schools.

Another social factor that results in fewer women in IIMs is that the number of women pursuing higher education is still very low. Human Resource Development Society of India, an organisation that works with engineering colleges, says that only 10% of engineering colleges have more women pursuing higher studies today.

"I would not want to join a B-school, though I would like to study management," she says. "CAT is such a heavy, so it will be difficult for me to crack, but the test has been more rounded, I would have applied."

GT Thampi, principal of Chennai Student Engineering College, Rohtak, points out that fewer girls opt for engineering and CAT because, in most cases, the environment is not welcoming to engineering colleges.

Another social factor that results in fewer women in IIMs is that the number of women pursuing higher education is still very low. Human Resource Development Society of India, an organisation that works with engineering colleges, says that only 10% of engineering colleges have more women pursuing higher studies today.

By giving less weightage to CAT scores, since last year, the IIMs want to encourage more non-engineers and women to opt for management education.

Shakti Khatwani, co-founder of CAT 2016 and president of the Society.

She and social activists," says a spokesperson from Xavier School of Management (XSM) in Chennai.

Given the family expectations from women to opt for jobs, they do not study management," says Shakti Khatwani, co-founder of the Institute of Management (IIM) in Rohtak, who points out that it is still needed and remarkable when a woman leads a company, as she does.

SILVER LINING Since last year, IIMs have been giving less weightage to quantitative aptitude in admission, says Shah. "Through the move, we want to encourage more non-engineers and girls opt for management education."

Several B-schools are also practicing the tradition of women among engineers and non-engineers. "At the time of short listing students for the final round of selection, we want to have a good number of girls," says Shakti Khatwani, chair person, Admissions, Indian Management Institute New Delhi. "We give preference to girls once to give selection close to 50% of the batch for the last three years now."

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 2 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

जयपुर, 2 फरवरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजट में जीडीपी की बेहतरी के लिए रोडमैप नहीं: प्रबल सेन

PUBLICATION: Hindustan
 DATE: 13 February 2017
 EDITION: Jamshedpur
 PAGE: 2

इनोवेटिव सोच जरूरी : अमोल पाराशर निजी कॉलेज

जमशेदपुर | दहीय संवाददाता

बेहतर बदलाव के लिए कुछ हटकर इनोवेटिव सोचना जरूरी होता है। उक्त बातें टीवीएफ सेशन के अमोल पाराशर ने रविवार को एक्सलआरआई, जमशेदपुर में आयोजित टेड एक्स 2017 के दौरान बतौर वक्ता कहीं।



रॉक बैंड की धुन पर देर रात तक झूले एक्सलर

एक्सएलआरआई, के वार्षिक खेलकूद एक्सएलरेंट-2017 का रविवार को एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में रंगारंग समापन हुआ। इससे पूर्व अलग-अलग श्रेणी के खेलों के फाइनल मैच खेले गये। कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न खेलकूद के साथ हुई। मौके पर विभिन्न श्रेणी के खेलों में महिला व पुरुष दो दम में मैच आयोजित हुए। प्रतियोगिता में 3 कॉलेज एक्सएलआरआई, आईआईएमसी, एक्सआईएमबी ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में समापन समारोह के दौरान एकल व समूह श्रेणी में नृत्य प्रतियोगिता आयोजित हुई। मौके पर बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे।

एक्सएलआरआई में रविवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि। ● हिन्दुस्तान

एक्सएलआरआई के वी-स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा रविवार को चौथा टेड एक्स टॉक 2017 आयोजित किया गया। इसमें इस वर्ष आईडिएट, इनोवेट, इनाइट- आईडियाज वर्थ स्प्रेडिंग विषय पर देश के विभिन्न कोने से आये छह वक्ताओं ने अपने वक्तव्य दिये।

दो चरण में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने मैनेजमेंट समेत सभी क्षेत्रों में नए विचार के महत्व और उसके फायदों के बारे में जानकारी दी। साथ ही अपने अनुभव साझा किए। मौके पर संस्थान के कई शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

जमशेदपुर | मुख्य संवाददाता

देश के अनेक निजी शिक्षण संस्थानों ने संकल्प लिया है कि वे बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत अपने यहां नामांकन लेने वाली बेटियों को 90 प्रतिशत तक छूट दें। उन्होंने यह संकल्प रविवार को एनएच 33 स्थित वेव इंटरनेशनल होटल में लिया।

असल में एसोसिएट्स ऑफ बिहार के तत्वावधान में मेटर समिट 2017 का आयोजन रविवार को किया गया था। इस कार्यक्रम में देश के उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े कई दिग्गजों ने भाग लिया और इस विषय पर अपने विचार रखे।

एक्यूरेट कालेज ग्रेटर नोयडा के नामांकन प्रमुख संदीप शर्मा ने कहा कि बेटियां समाज की धरोहर हैं, बेटियां पढ़ेंगी तभी समाज आगे बढ़ेगा। इसी

PUBLICATION: Mint
 DATE: 1 February 2017
 EDITION: Kolkata
 PAGE: 11

'Reform labour laws, give tax breaks to create jobs'

Economic Survey identifies apparel, leather, footwear as sectors that provide the best 'bang for the buck' in job creation, says India should take advantage of labour cost competitiveness

BY PRASHANT K. NANDA
 prashant.n@liveint.com

NEW DELHI

Accepting that job creation is India's central challenge, the Economic Survey has identified apparel, leather and footwear as key sectors to boost employment and provide 'bang for the buck' at a relatively low cost.

The survey recommended reforms to labour laws and lower taxes on such sectors to boost employment. It said India should take advantage of the low-wage structure in several states to accelerate job creation in sectors like apparel and leather.

"India needs to generate jobs that are formal and productive, provide bang for buck in terms of jobs created relative to investment, have the potential for broader social transformation, and can generate exports and growth. The apparel, leather and footwear sectors meet many or all of these criteria and hence are eminently suitable candidates for targeting," the survey said.

Boosting employment generation is a key electoral plank of the National Democratic Alliance government, which is midway through its five-year term. Domestic and global economic factors have impeded job creation. A cash crunch following the November devaluation of high-value currency notes has led to job losses in the informal economy, impacting many small manufacturing units.

The survey said that the apparel and leather sectors offer tremendous

opportunities for creation of jobs, especially for women. It said Levy Rd lakh investment in the apparel sector had the potential to create 23.9 jobs, including 8.2 jobs for women.

... the apparel sector is the most labour-intensive, followed by footwear. Apparel are 80-fold more labour-intensive than auto and 240-fold more than steel," the survey said.

Like the apparel sector, which received a stimulus package from the central government last year, the survey said that "corresponding policy initiatives for leather products are a subject of discussion".

It said India has the opportunity to push exports in sectors such as leather and apparel "since rising wage levels in China have resulted in China stabilizing or losing market share in these products". India's lower wage costs

mean it is well positioned to take advantage of China's "deteriorating competitiveness", it added.

For example, the minimum monthly wage for a semi-skilled worker in Tamil Nadu is just \$93 as against \$250-\$300 in China. Tirupur town in the state is one of the textile and apparel hubs in India (see chart).

"The survey indicates that the government is focusing on quantity of jobs. While the prescription if executed may add to export revenue, there is a danger—we are ready to compromise the workforce and become another Bangladesh. On one hand, we are talking about skill development and on the other we are not hesitating from promoting low-skilled work. Casual jobs may give you numbers but will not improve the living standard of the workers," said K.R. Shyam Sundar, a

India's wage advantage
 Minimum monthly wages for semi-skilled workers



SARVESH SHARMA, MINT

labour economist and professor at XLRI, Jamshedpur.

The Economic Survey, tabled in Parliament on Tuesday by finance minister Arun Jaitley, also listed some of the challenges that these sectors face.

It said that the space vacated by China was fast being taken over by Bangladesh and Vietnam in the case of apparel, and Vietnam and Indonesia in the case of leather and footwear.

Indian firms in these sectors are struggling to meet challenges related to logistics, labour regulations, taxes and tariffs. According to the survey, in these sectors, tax and tariff policies create distortions that impede India from gaining export competitiveness.

India imposes a 10% tariff on man-made fibres vis-à-vis 0% on cotton fibres. On the other hand, domestic taxes also favour cotton-based production rather than production based on man-made fibres.

Global demand for apparel is moving from cotton products to man-made fibres and similarly to non-leather footwear, the survey pointed out. India's competitors enjoy better market access by way of zero or lower tariffs in the two major importing markets, the US and the EU, the survey said.

Calling for labour reform, it prescribed making contributions to provident fund and employers' state insurance optional to help boost take-home pay for low-wage workers.

It said the goods and services tax offers an "excellent opportunity to rationalize domestic indirect taxes so that they do not discriminate in the case of apparel" and "against the production of non-leather footwear".

PUBLICATION: Morning India
DATE: 2 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

Industry, trade bodies see growth; economists sceptical about budgetary vision

DEBASHISH SARKAR

JAMSHEDPUR: Industry and trade fraternity here welcomed the Union Budget-2017 terming it as a growth-oriented inclusive development budget. The economists and people with railway passengers associations, however, struck a cautious note saying the budget though has a lot of grumbles but missed clear roadmaps on several key points.

Tata Steel managing director TV Narendran said the budget focussed on fiscal prudence while furthering the agriculture and rural economy for an inclusive growth. "The ten distinct themes identified by the finance minister imparting both economic and social development, demonstrate the government's ingenuity in balancing public spending and fiscal deficit,"

Narendran said in a statement after Jaleby's presentation. "Focus on areas such as ports, roads, affordable housing, physical infrastructure should provide the economy...the industry and steel sector needs necessary impetus to meet its growth targets. The industry looks forward to working with the government in its plans to develop infrastructure and empower rural communities," added Narendran.

"There has been corporate tax reduction from 30 to 25 percent for companies having turnover of less than Rs 50 crore to propel the economy. Also the target for allocation under Mastra scheme has been doubled to Rs 2,40 lakh crore. Overall, this budget is likely to raise the stress on the economy and contribute to the development of the country," JUSCO MD Ashish Mathur said.

(XLRI professor (economics) Prabal Sen told MORNING INDIA that the budget has been really inspiring on finance minister's key selected themes of youths education, farmers, rural economy etc. "But it is mostly silent on bank reforms, public sector assets rehabilitation agency mentioned in the economic survey, measures to neutralise effect of demonetisation on GDP, fiscal deficit and increasing purchasing power," said Sen.

Sen, however, gave full marks to the budget for system to measure annual learning outcomes in schools, innovation fund for secondary education in backward blocks, budget is likely to raise the stress on the economy and contribute to the development of the country," JUSCO MD Ashish Mathur said.

rooms, National Testing Agency to free CBSE and ICSE from exams and tests and allow them to focus on academic improvement. "Another key point is extending PM Kaushal Kendras to 600 districts, in addition to existing centres in 60 districts, almost covering the entire country. Its 4500 crore allocation for Skill Acquisition and Knowledge Awareness for Livelihood Promotion (SANKALP) programme benefiting about 2.20 crore youths in 2017-18. 5000 new seats for Medical PG courses, two ABMS, upgrading 1.50 lakh health sub-centres into health and well-being centers, bringing down IMR to 25 from present 39 infant deaths per 1000 live births by 2019 and MMR to 100 from current 167 per 1000 births are also very ambitious targets,"

added Sen.) Chotanagpur Passengers Association general secretary Arun Tiwari said they hope 110 km Kandra-Nankom rail line would figure among the 3500 km new railway tracks proposed in the budget. "Dedicated trains for pilgrimages and tourism sites, removing service charge from BCTC are good steps and we hope NH-33 finalising would be complete with Rs 64, 000 crore for highways development," said Tiwari.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 24 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI announces admission to Management Programme



PNS ■ JAMSHEDPUR

Xavier School of Management (XLRI) has announced admission to the Postgraduate Diploma in Management (PGDM) for Working Executives & Business Owners for the batch 2017 to 2020. This Three-Year Part-Time Weekend Programme, approved by AICTE, imparts the rigor of a full-time programme through 900+ hours of class room interactions.

Spreading over three academic years, the programme has been designed to accommodate working professionals to pursue the course without hindering their professional engagements. The programme has been designed with a rich mix of core courses, elective courses, and dissertations to provide a holistic approach to

both practical and conceptual aspects of management domains. Further, the course structures and choice of pedagogical approaches provide multiple opportunities for peer learning and application of knowledge to real-life business situations.

"The programme allows working professionals, who are willing to stretch out a bit, to acquire the highest quality management education while continuing with their current work. It has been exclusively designed to facilitate two-way learning; thus, while participating in the programme, the students can get many opportunities to apply the conceptual insights gained in the classroom to their respective workplace on a day-to-day basis," said Fr. E Abraham SJ, Director of XLRI

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 10 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 21

एक्सएलआरआई में सीआरपी खत्म, 100 फीसदी विद्यार्थियों का कैंपस 19.25 लाख रहा सालाना औसत पैकेज



एक्सएलआरआई में सीआरपी खत्म, 100 फीसदी विद्यार्थियों का कैंपस 19.25 लाख रहा सालाना औसत पैकेज

मिजी क्षेत्र में देश की सबसे बड़े विज्ञान स्कूल एक्सएलआरआई में कैम्पस फुल्टाइम प्रॉसेस (सीआरपी) समाप्त हो गई. इस बार संस्थान के

से मिली जानकारी के अनुसार इस बार कैंपस में खत्म हो गई. इस बार औसत पैकेज 19.25 लाख रुपये रहा. कैंपस में इस बार एक नया ट्रेड देखने को मिला. विदेशी कंपनियों के बजट विद्यार्थियों ने देवे कंपनियों पर सटीक ज्ञान, विद्यार्थियों को बुल संस्था में जबल और दिने बड़े कुल 360 विद्यार्थियों को 392 ऑफर दिया गया. कैंपस के लिए इस बार 138 कंपनियों पहुंची थी. जिसमें कुल 23 कंपनियों ऐसी थी जो पहले

खत्म हो गई. इस बार संस्थान में कैंपस के लिए पहुंची थी. इस बार फाइनेंस, कमर्शियल और एग्जिक्यूटिव कंपनियों सालाना कुल 43 लाख रुपये तक देने की जानकारी मिली है. तीन दिनों में सीआरपी खत्म हो गया. संस्थान के इंटरनेशनल क्लिनिंग में इस बार सीआरपी का आभोजन किया गया था. जिसमें विज्ञान में केम्पस के कुल 180 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. संस्थान के कैंपस (पीपीओ) मिल चुका था. जिसमें 24 विद्यार्थियों ने सीआरपी के बाद इसी कंपनी के ऑफर को स्वीकार किया. सौराज्य है कि विदेशी साल कैंपस के लिए कुल 152 कंपनियां पहुंची थी. जिसमें संस्थान के 361 विद्यार्थियों को 386 ऑफर दिया था. वर्ष 2016 में

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 7 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

एक्सएलआरआई में 14 मार्च तक भर सकेंगे पीजीडीएम का फार्म



जमशेदपुर. एक्सएलआरआई में पीजीडीएम के लिए शुरू किये गये पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है. सत्र 2017-2020 के इस कोर्स के लिए 14 मार्च से फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू होगी. इससे संबंधित एक प्रेस विज्ञप्ति एक्सएलआरआई प्रबंधन की ओर से सोमवार को जारी की गयी. इसमें बताया गया कि एक्सएलआरआई कैम्पस में ही यह कोर्स होगा. कोर्स की अवधि 900 घंटे की होगी. सभी क्लास शाम में होंगी. सत्र ही विंकेड में केपहर या फिर सुबह में भी बरहास होगी. रविवार को दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4.30 बजे तक लगातार क्लास होगी. इस कोर्स को यही उम्मीदवार कर सकते हैं जिनमें ग्रेजुएशन की परीक्षा न्यूनतम 50 फीसदी अंकों से पास किया हो और न्यूनतम 2 साल कार्य का अनुभव जरूरी हो. एडमिशन के लिए 9 अप्रैल को लिखित परीक्षा ली जायेगी. इस परीक्षा के बाद परीक्षा इंटरव्यू 17 अप्रैल तक होगा. कोर्स फीस के रूप में 10 लाख रुपये लगेगी.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 11 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआई में एनुअल फेस्ट एक्सेलेरेट-2017 शुरू



जमशेदपुर. एक्सएलआरआई में तीन दिवसीय एनुअल फेस्ट एक्सेलेरेट 2017 की शुरुआत शुक्रवार से हुई. एक्सेलेरेट के चौथे एडिशन की शुरुआत लीडरशिप टॉक के जरिये हुई. इंटरनेशनल बिल्डिंग में आयोजित एक्सेलेरेट की विधिवत शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गयी. इसके बाद रिसोर्स पर्सन के रूप में इलेक्ट्रो स्टील के वीपी परम सक्सेना उपस्थित थे. उन्होंने लीडरशिप टॉक के जरिये छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी उद्यम को चलाने के लिए अनुभव मैटर करता है. उन्होंने कहा कि थ्योरिटिकल नॉलेज का होना अच्छी बात है, लेकिन बगैर प्रैक्टिकल नॉलेज के कई बार हर कुछ रहते हुए भी सफलता नहीं मिलती है. उन्होंने एक्सलर्स को संबोधित करते हुए कई अहम बातें बतायी. आयोजन समिति के सचिव अविनाश विन्नकोटा ने कहा कि इस बार एक्सेलेरेट को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है कि छात्रों को कॉरपोरेट वर्ल्ड से जुड़े लोगों से सीधे तौर पर रूबरू होकर प्रैक्टिकल नॉलेज हासिल करने का मौका मिलने के साथ ही बी स्कूल में पढ़ाई जाने वाली बातों को सभी के सामने रखने का भी मौका मिले. 12 फरवरी को इसका समापन किया जायेगा. जिसमें क्रिकेट, बॉलीवॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस समेत कई अन्य खेल-कूद प्रतियोगिता भी होंगी. वर्ष 2014 में इसकी शुरुआत की गयी थी.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 2 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

बजट पर प्रतिक्रिया

शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में होंगे दूरगामी असर : प्रो प्रबल सेन



अर्थशास्त्री व एक्सएलआरआई में अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर

जमशेदपुर. आम बजट में शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो प्रावधान किये गये हैं, उसके दूरगामी व बेहतर परिणाम होंगे. यह अच्छी बात है, लेकिन विमुद्रीकरण के बाद जो जीडीपी घटा है, उसे देखते हुए एग्जिट व कंजप्शन डिमांड को बढ़ाने की दिशा में जोर दिये जाने की जरूरत थी. बजट में इसके लिए कोई कारगर प्रावधान नहीं दिखता. यह बात एक्सएलआरआई के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर व अर्थशास्त्री प्रो प्रबल सेन ने कही. उन्होंने कहा कि 2.5 से 5 लाख तक की आय पर जो छूट का प्रावधान किया गया है, उससे लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी. वहीं, दूसरी ओर फिजिकल डिफिसिट को 3.5 करने की बात कही गयी है, इसे और बढ़ाया जाना चाहिए था. क्योंकि इससे महंगाई नियंत्रित होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में देश की रेटिंग बढ़ती. इससे देश में विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलता, जो आर्थिक,

रोजगार सृजन, विकास आदि के दृष्टिकोण से देश के लिए अच्छा होता. प्रो सेन के अनुसार इस बजट में कृषि के क्षेत्र में कुछ जबरदस्त कदम उठाये गये हैं. हालांकि ये प्रावधान फल से ही थे, लेकिन विमुद्रीकरण के बाद किसान काफी त्रस्त हैं. अतः उनके लिए बजट में कुछ और प्रावधान होना चाहिए था. इसके बाद वित्त क्षेत्र की बात करें, तो इकोनॉमिक सर्वे में भी 'पब्लिक सेक्टर एग्सेट रीवेन्जिटेशन एजेंसी' की बात कही गयी थी. आम बजट में इसका जिक्र नहीं किया गया है. हालांकि बैंकों व एनपीए की स्थिति को देखते हुए यह जरूरी था. बैंकों के लिए एनपीए विकराल रूप ले चुका है. ऐसे में बजट में बैंकों की बेहतरी के लिए सिर्फ 10 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है. जबकि बैंकों की स्थिति सुधरे, इसके लिए उक्त 'एजेंसी' को स्थापित किया जाना चाहिए था.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 13 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआई. टेडेक्स 2017 में मैनेजमेंट गुरुओं ने दिया सक्सेस मंत्र लीक पर न चलें, नयी लकीर खींचें



एक्सलर्स के सामने उच्च वे गुरु थे, जो खुद वाली फैसले ले सकें. उन्होंने अपने नेतृत्व के कान पर पुरे देस की गयी. ब्लिंक पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचें.

जमशेदपुर. टेडेक्स 2017 में मैनेजमेंट गुरुओं ने दिया सक्सेस मंत्र लीक पर न चलें, नयी लकीर खींचें. उन्होंने अपने नेतृत्व के कान पर पुरे देस की गयी. ब्लिंक पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचें.

एक्सलर्स के सामने उच्च वे गुरु थे, जो खुद वाली फैसले ले सकें. उन्होंने अपने नेतृत्व के कान पर पुरे देस की गयी. ब्लिंक पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचें.

एक ही क्षेत्र के दो लोग पार्टनर न बनें : लेवेस

जमशेदपुर. टेडेक्स में एक ही क्षेत्र के दो लोग पार्टनर न बनें : लेवेस. उन्होंने अपने नेतृत्व के कान पर पुरे देस की गयी. ब्लिंक पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचें.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 12 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI salutes excellence with XLERate 2017



Committee, PGDM-GM 2017 batch, XLRI.

Organized by the PGDM (GM) students of XLRI, XLERate started in 2014, with the aim to serve as a connecting platform for all the one year MBA students who come with extensive industry experience and to unleash the camaraderie among them. In the 3-days meet, 1-year MBA students from premier management institutes across India will be competing in various Sporting, Leadership, and Cultural events. There will be sporting events such as volleyball, basketball, cricket, and tennis, cultural events such as music, dance and drama, as well as a stand-up comedy shows and a rock band performance by Revolution.

Jamshedpur, Feb. 11: XLRI-Xavier School of Management plays host to the 4th Edition of "XLERate" - XLRI's flagship national level sports, leadership and cultural festival organized by PGDM-GM (1 year full time MBA program). Kick-starting today, "XLERate 2017" is being held from 10th to 12th February, 2017 at XLRI Campus, Jamshedpur.

With this year's theme 'Experience Matters' the 3-day fest is nothing short of a carnival of stimulating events with a touch of glamour. The event started today with an inspiring Leadership talk by Mr. Param Saxena- VP- SCM & Strategy

at Electrusteel. In the coming two days, the event shall also witness a war of budding managers in case study competitions and paper presentations. "At XLERate this year, we have endeavoured to colour the canvas as vividly as possible with copious shades of energy, enthusiasm and excitement. The event brings together the best minds from premium B-schools. We are excited to host the teams and are looking forward to providing an exhilarating learning and networking platform to all the participants and the audience", commented Avinash Vinnakota, General Secretary of the XLERate Organising

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 24 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

XLRI announces admission to Management Programme for working executives



Jamshedpur : Xavier School of Management (XLRI) has announced admission to the Postgraduate Diploma in Management (PGDM) for Working Executives & Business Owners for the batch 2017 to 2020. This Three-Year Part-Time Weekend Program, approved by AICTE, imparts the rigor of a full-time programme through 900+ hours of class room interactions.

Spreading over three academic years, the programme has been designed to accommodate working professionals to pursue the course without hindering their professional engagements. The program has been designed with a rich mix of core courses, elective courses, and dissertations to provide a holistic approach to both practical and conceptual aspects of management decisions.

Further, the course structures and choice of pedagogical approaches provide multiple opportunities for peer learning and application of knowledge to real-life business situations. "The programme allows working professionals, who are willing to stretch out a bit, to acquire the highest quality management education while continuing with their current work. It has been exclusively designed to facilitate two-way learning; thus, while participating in the programme, the students can get many opportunities to apply the conceptual insights gained in the classroom to their respective workplace on a day-to-day basis," said Fr. E

Abraham S.J., Director of XLRI.

The classes are to be held at XLRI Campus, Jamshedpur on the weekends to accommodate the time constraints of students who are working professionals. The classes will be scheduled to start from 12:00 Noon on Saturday and end by 16:15 hours on Sunday to allow students from outside Jamshedpur to attend the program.

The virtual classroom sessions shall be delivered over a direct-to-desktop mode and shall normally be around 25% of the total sessions for core courses only.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 7 February 2017
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI announces admission to Diploma in Management for working executives



Jamshedpur : Xavier School of Management (XLRI) has announced admission to the Postgraduate Diploma in Management (PGDM) for Working Executives & Business Owners for the batch 2017 to 2020. This Three-Year Part-Time Weekend Program, approved by AICTE, imparts the rigor of a full-time programme through 900+ hours of class room interactions.

Spreading over three academic years, the programme has been designed to accommodate working professionals to pursue the course without hindering their professional engagements. The program has been designed with a rich mix of core courses, elective courses, and dissertations to provide a holistic approach to both practical and conceptual aspects of management decisions.

Further, the course structures and choice of pedagogical approaches provide multiple opportunities for peer learning and application of knowledge to real-life business situations. "The programme allows working professionals, who are willing to stretch out a bit, to acquire the highest quality management education while continuing with their current work. It has been exclusively designed to facilitate two-way learning; thus, while participat-

ing in the programme, the students can get many opportunities to apply the conceptual insights gained in the classroom to their respective workplace on a day-to-day basis," said Fr. E Abraham S.J., Director of XLRI.

The classes are to be held at XLRI Campus, Jamshedpur on the weekends to accommodate the time constraints of students who are working professionals. The classes will be scheduled to start from 12:00 Noon on Saturday and end by 16:15 hours on Sunday to allow students from outside Jamshedpur to attend the program. The virtual classroom sessions shall be delivered over a

direct-to-desktop mode and shall normally be around 25% of the total sessions for core courses only. Candidates having three years Bachelor degree or equivalent in any discipline recognized by a University or a Deemed University and a minimum work experience of two years in managerial/supervisory/ executive/ownership role prior to 30th April, 2017 are eligible to apply for this programme. Candidates who have completed the four-year Bachelor degree in any Engineering discipline from a University or Deemed University are also eligible to apply. The candidate must have a score of 50% or more marks in the above program. Candidates are to be selected through a written aptitude test on April 9, 2017. The test will have sections on quantitative ability, logical reasoning, and English language skills. The personal interviews are to be held from 10th April - 17th April, 2017.

PUBLICATION: The New Indian Express, Cochin
DATE: 6 February 2016
EDITION: Chennai
PAGE: 12



XLRI hosts Int'l Conference

The Centre for Global Management and Responsible Leadership (CGMRL), XLRI - Xavier School of Management in collaboration with La Trobe Business School, Melbourne, Australia organised the International Conference on Responsible Marketing recently. Anand Sen, in his address, emphasised the need to promote responsible consumption and reduce wastage.

PUBLICATION: The Statesman
 DATE: 7 February 2017
 EDITION: Kolkata
 PAGE: 16

Global conference

The Centre for Global Management and Responsible Leadership, Xavier School of Management in collaboration with the La Trobe Business School, Melbourne, Australia recently organised 'International Conference on responsible marketing. The conference discussed about the theoretical underpinnings of the multi-dimensional nature



of sustainability, the ethical issues of buyer and seller information asymmetry, the consumer awareness, knowledge and behaviour towards sustainable consumption "Sustainability has become a major concern for the UN. Marketing is being blamed for all the ills in society - be it excessive consumption, environmental degradation or unethical behaviours such as price wars, selective advertising, and deceptive marketing. It is in this context, we had organised the conference with the aim to consolidate research in this area and develop a framework for Responsible Marketing," said Pingali Venugopal, co-ordinator, Centre for Global Management and Responsible Leadership.

PUBLICATION: The Telegraph
 DATE: 2 February 2017
 EDITION: Kolkata
 PAGE: 16

HOW BIZ-KIDS RATE IT

The Telegraph puts five questions to students of some of the country's top B-schools

(a) How do you rate the budget on a scale of 1-10?	(b) What is the budget's big idea?	(c) Where has the FM scored?	(d) Where has he failed?	(e) Does the budget ease the pains of demonetisation?
IIM CALCUTTA  7.5-8 a) Reforms focusing on rural infrastructure development is one of the highlights. Plan to achieve 100% rural electrification by 2018, highest ever allocation for MGNREGA, and rural road development are some of the positive aspects. The decision to integrate the existing state-owned oil and gas companies into a single entity will help India compete globally. b) Mr. Jaitley has scored with financial sector reforms such as abolishing FIPB and listing of railway PSUs like IRCTC (which will bring public accountability). Promising reforms for the social sector include deduction of tax on income below Rs 5 lakh and health-footprint bearing smart Aadhaar cards for senior citizens. c) More spending was expected for the manufacturing sector. Income tax simplification through direct tax code is another reform that has not been mentioned. The budget's aim to generate additional 20,000MW of solar power may fall short of the power ministry's earlier target to achieve 1,75,000MW of renewable power by 2022. d) The budget mentions two new schemes to promote the BHIM app, Aadhaar Pay for people without smart phones and merchant-enabled Aadhaar payments are positive moves. Increased allocation for MGNREGA is a welcome step. However, the budget doesn't mention reforms towards rural financial inclusion. Extra benefits for card payments could have been given.	XLRI JAMSHEDPUR  7.5 a) Digitising the economy and providing relief to the rural sector and middle class. Emphasis has been given to infrastructure. b) Reduction of the tax slab from 10% to 5% will allow each individual to enjoy Rs 12,500 benefit. Creation of a dairy processing infrastructure fund and strengthening the digital payment infrastructure, not to mention doubling the irrigation corpus, are some of the brilliant steps taken. The FM has also scored in FDI reforms, and the housing, agriculture and rural sectors. Infrastructure status to affordable housing is a big plus. c) Political funding required more transparency and strict regulations. This was more qualitative than quantitative — while the huge allocations for MGNREGA, Subsidy, and Mahila Shakti Kandas sound good on paper, major steps are needed to ensure effective use of the funds. There is also lack of clarity on how the increased budget expenditure, combined with limiting fiscal deficit to 3.2%, will be met. d) The budget indicates the government's commitment to digitising the economy. While it has taken a good decision, only time will tell if it will be enough. While the digital payment infrastructure is good enough for urban areas, those in the remote and disconnected rural areas need better options.	IIM AHMEDABAD  7.8 a) The budget has set the tone for revitalising the rural economy. With the emphasis on housing for all, incentives for digital payment, road and other infrastructure projects, the budget's big idea is "Small is the next big". b) Made appropriate allocations to facilitate infrastructure, agriculture and rural sector (capital expenditure of 25%) while sticking to the roadmap of fiscal consolidation of 3% by fiscal year 2018. The listing of railway PSUs IRCTC, IRFC, IRCON will enable the government to unlock their big value. By granting infrastructure status to affordable housing, the government acknowledges that this industry is an important driver of the economy. c) Corporate tax not reduced. No big capital infusion in the banking sector plagued by bad loans. No measures to increase internet penetration. d) The budget eases the pain of demonetisation in some peripheral sense with the increased loan amount to farmers and the tax cut for MSMEs. Some steps will put more cash in people's hands.	IIM SHILLONG  7.5 a) A comprehensive budget, with focus on bringing down disparity in income distribution by reducing the tax slab, and rural development measures. Rs 10 lakh crore corpus for rural credit is a good move. The cap on cash donation for political parties to Rs 2,000 and purchase of electoral bonds through cheque and digital payment is a bold step in pursuit of curbing black money. b) The FM has maintained balance between fiscal deficit and GDP growth, while scoring in the agriculture sector with favourable policies. The announcement of allocation of Rs 3.36 trillion for the infra is a big advantage. He has identified the right focus areas and substantially increased allocation. c) Lack of focus on the railways. There is no clear roadmap for employment generation, and only minor announcements for education and healthcare sectors. It also fails to address the issue of non-performing assets. Just a passing reference to the GST. d) Some steps have been taken to see effects of demonetisation do not spill over to the rest of the economy. Revision of withdrawal limits from ATMs, introduction of BHIM app and Aadhaar pay, along with cut in direct tax rates, are likely to offer relief to the cash-starved economy.	

Compiled by Chandreyee Chatterjee, Antara Bose, Basant Rout and Andrew Lyngdoh

PUBLICATION: The Telegraph
 DATE: 11 February 2017
 EDITION: Jamshedpur
 PAGE: 10



Hello. It's Saturday,
 February 11, 2017.

Events

■ Xlerate, a cultural and sports fest, on XLRI campus

PUBLICATION: The Telegraph
 DATE: 12 February 2017
 EDITION: Jamshedpur
 PAGE: 8

XLRI fest

■ **Jamshedpur:** Budding managers took part in cricket, football and badminton matches on the second day XLerate, the national sports and leadership festival of XLRI, on Saturday.

PUBLICATION: The Telegraph
 DATE: 13 February 2017
 EDITION: Jamshedpur
 PAGE: 7

Tips to nurture biz idea & build a team at XLRI session

Networking for start-ups

OUR CORRESPONDENT

Want a head start when you start your own start-up? Want to build an A-team with the right co-founder and others who feel as passionately about your venture as you?

These questions and more were addressed at Startup Saturday Jharkhand at XLRI, Jamshedpur, on Sunday. The programme was originally scheduled on Saturday, February 11, hence the name, but held a day later due to XLerate on the B-school premises.

The maiden daylong session was held by Headstart Network Foundation, an organisation that supports entrepreneurship and one of the largest networks of early stage start-ups in India. The foundation organises over 200 Startup Saturdays a year across 20 cities.

On Sunday, David Levesque, entrepreneur, mentor and web marketer; Prasanjit Saha, serial entrepreneur; Santosh Sharma, visionary and author; and V.P. Srivastava, chief IT architecture and technical support at Tata Steel spoke on the theme "Building the A-team" at the first Startup Saturday in Jamshedpur.

They found an attentive audience in about 40 new and budding entrepreneurs.

"As human beings we are never happy with others' achievements. So, if entrepreneurs can fit in (together), complement the business and achieve something, it will buy them happiness that will in turn motivate them to scale it up," said Srivastava.

Technology mentor Saha said there was no set rule for



Serial entrepreneur Prasanjit Saha (left) and mentor David Levesque (right) at Startup Saturday, held at XLRI in Jamshedpur on Sunday. Telegraph picture

entrepreneurs. "What worked for me may not work for you. So, the idea is to keep trying with calculated risks. Once you start working with people, you will know their capacities and how you can build your team," said Saha.

A panel discussion was held after the speakers shared their experiences.

In between, local flourishing organisations like Ad-Woop.com, a technology-based start-up that connects stores to customers, and La Gravitea, a tea café, were showcased as success stories.

Abhinav Jha, volunteer of Headstart Network Foundation, Jharkhand, said they were planning monthly meetings in Jamshedpur to help entrepreneurs network among themselves and with people who can mentor them. "Every session will have a different theme," said Jha.

Headstart, which started operating in Jharkhand from January, is planning one such session every month.

PUBLICATION: The Times of India
 DATE: 6 February 2017
 EDITION: Kolkata
 PAGE: 17

ADMISSIONS 2017-18
 This month, Education Times is going to cover information technology, from course updates to emerging trends. **NCVT WEEK: PG options**

NEWSBYTES
IIM Ranchi and XLRI, Jamshedpur winners
 CFA Society India has announced Indian Institute of Management (Indian Associa-

tion of Investment Professionals), Ranchi and Xavier School of Management, Jamshedpur (XLRI) as East zone winners of its CFA Institute Research Challenge in India. They will now participate in the India finale of the Research Challenge in Mumbai.

